POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A. - III (Hons.), Paper-V

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College,
Tajpur, Samastipur

लोक प्रशासन एवं निजी प्रशासन

किसी देश की सरकार द्वारा किए जाने वाले कार्य जो जनता से संबंधित होते हैं 'लोक प्रशासन' कहलाते हैं इसके विपरित गैर-सरकारी संस्था द्वारा निजी लाभ के लिए जो कार्य किए जाते हैं उसे निजी प्रशासन कहते हैं। लोक प्रशासन और निजी प्रशासन के बारे में दो दृष्टिकोण प्रचलित हैं। पहला दृष्टिकोण यह मानता है कि इन दोनों में किसी प्रकार का भेद नहीं है जबकि दूसरे दृष्टिकोण के अनुसार दोनों में पर्याप्त भेद हैं।

लोक प्रशासन तथा निजी प्रशासन : समानता का दृष्टिकोण

हेनरी फेयोल, मेरी पार्कर फालेट एवं उर्विक के अनुसार, प्रशासन के मूल तत्व प्रायः एक से ही रहते हैं। उर्विक के अनुसार, "यह बात गंभीरतापूर्वक सोचना कठिन है कि बैंक में काम करने वाले व्यक्तियों का एक अलग जीव रसायनविज्ञान होता है, प्राध्यापकों का एक पृथक शरीर-क्रिया ज्ञान तथा राजनीतिज्ञों का एक अलग रोग-मनोविज्ञान होता है। वस्तुतः वे सभी व्यक्तियों के लिए समान रूप से एक से ही रहते हैं। निश्चय ही लोक प्रशासन तथा निजी प्रशासन के बीच बहुत सी बातें समान हैं।